PAPER - VI , UNIT - I , SECTION - A

Human Activities in Equatorial areas

स्थिति एंव विस्तार :-

मानवीय क्रिया कलाप प्रांरभ से ही अपने पर्यावरण व वातावरण से प्रभावित होता रहा है। वातावरण के घेरे में रहकर मानव अपनी आवश्यकता के अनुरूप एंव दक्षता के अनुसार अपने कठिनाइयों से संघर्ष कर उसमें कुछ परिवर्तन अवश्य किया है परंतु उसमें आमूल-चूल परिवर्तन करने में आज भी सक्षम है।

भूमध्य रेखा के दोनो ओर 5° से 10° अक्षांशों तक का वैसा क्षेत्र, जहाँ वर्ष भर उच्च तापक्रम, मूसलाधार वर्षा एंव घना सदाबहार वन के कारण दलदली भूमि फलस्वरूप आदिवासियों का मुख्य निवास क्षेत्र एंव पिछड़ी हुई मानव सभ्यता एंव संस्कृति का विकास हुआ है। भूमध्यरेखीय प्रदेश कहलाता है। इसके अंतर्गत द० अमेरिका का आमेजन बेसिन एंव इक्वाडोर अफ्रीका का रानी तट आदि देश का प्रदेश सम्मिलित है। परिवेश के अनुसार मनुष्य पुरानी प्रविधि को अपनाने के लिए बाध्य है। भू-मध्य रेखीय क्षेत्र की निम्नलिखित तीन विशेषताएँ मानव क्रिया कलाप को काफी हद तक प्रभावित कर इसे सीमांकित करता है।

मानवीय क्रिया-कलाप को प्रभावित करने वाले कारक :-

Prof. Stamp महोदय द्वारा वर्णित भूमध्यरेखीय क्षेत्र की सर्वप्रमुख विशेषता 3 Eighties है। जो मानवीय क्रियाकलाप को बहुत हद तक प्रभावित करता है।

(a) Average annual temperature = 80°F

(b) Average annual rainfall = 80"

(c) Average annual Relative Humidity = 80%.

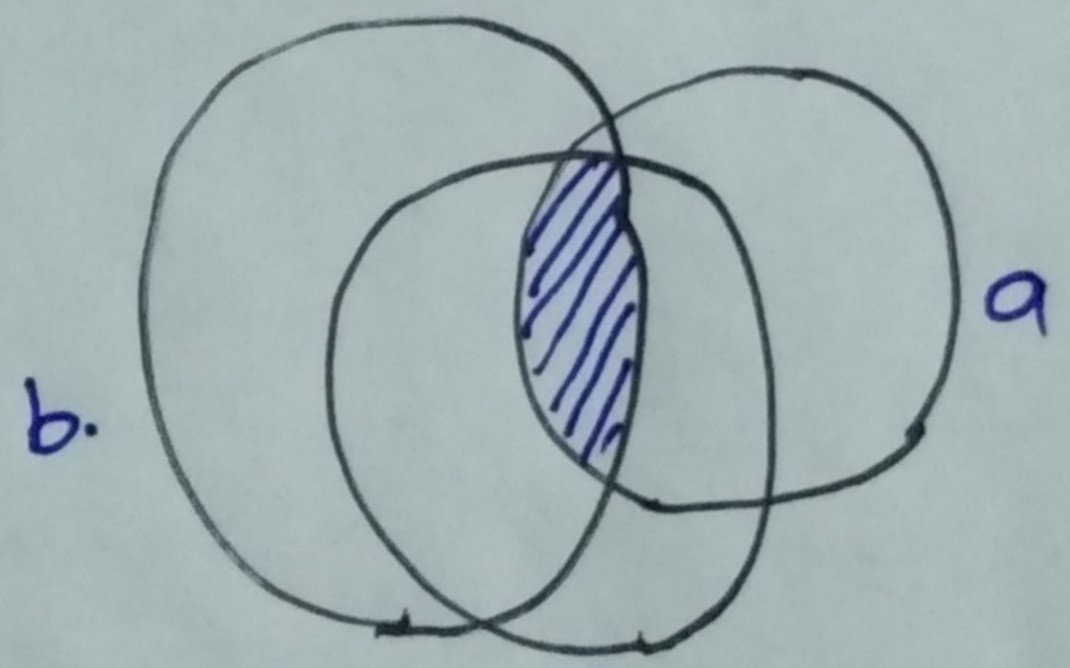

उष्णार्द्र जलवायु चिरहरित वन एवं सघन वनस्पति का क्षेत्र = भूमध्य रेखीय क्षेत्र जहाँ दैनिक तापान्तर 3°C से 9°C और वार्षिक तापांतर 3°C होता है। जो मानवीय जीवन को आलसी बना देता है। तथापि दैनिक मुसलाधार वर्षा मानव क्रियाओं काफी सीमित रखता है। क्योंकि उच्च तापमान वर्षा एवं आर्द्रता वातावरण असहयुक्त उबाऊ बना देता है।

अत्यधिक तापमान और वर्षा के कारण सघन चिरहरित वन विकसित होते हैं। वृक्षों की सघनता के कारण सूर्य की रोशनी भूतल तक नहीं पहुँचती है। फलतः वहाँ अंधकार बना रहता है। वृक्षों की पत्तियाँ जो छतरीनुमा एक-दूसरे से मिलकर छतरीनुमा आकृति बनाती है।

भोजन प्राप्ति हेतु मानवीय क्रिया-कलाप:

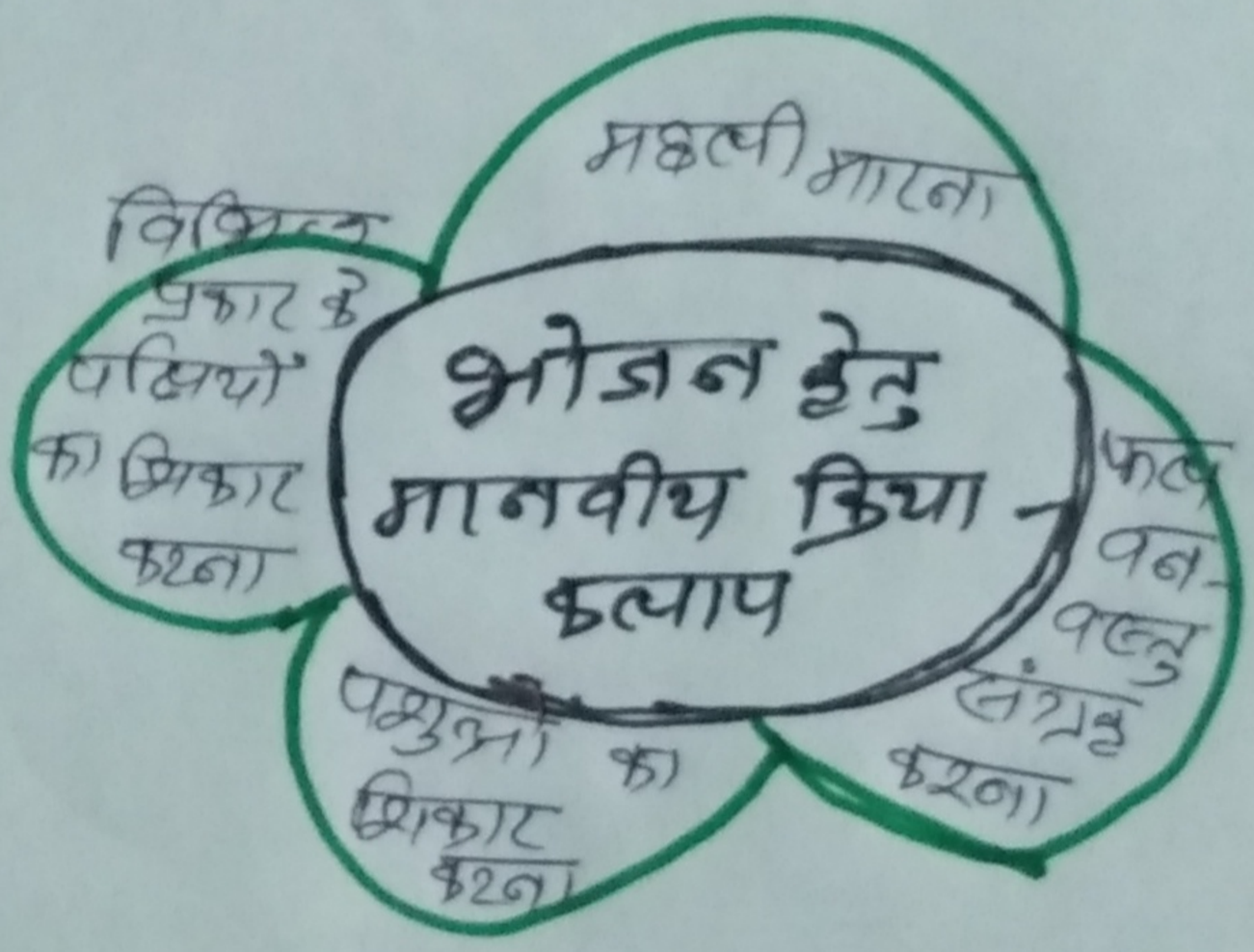

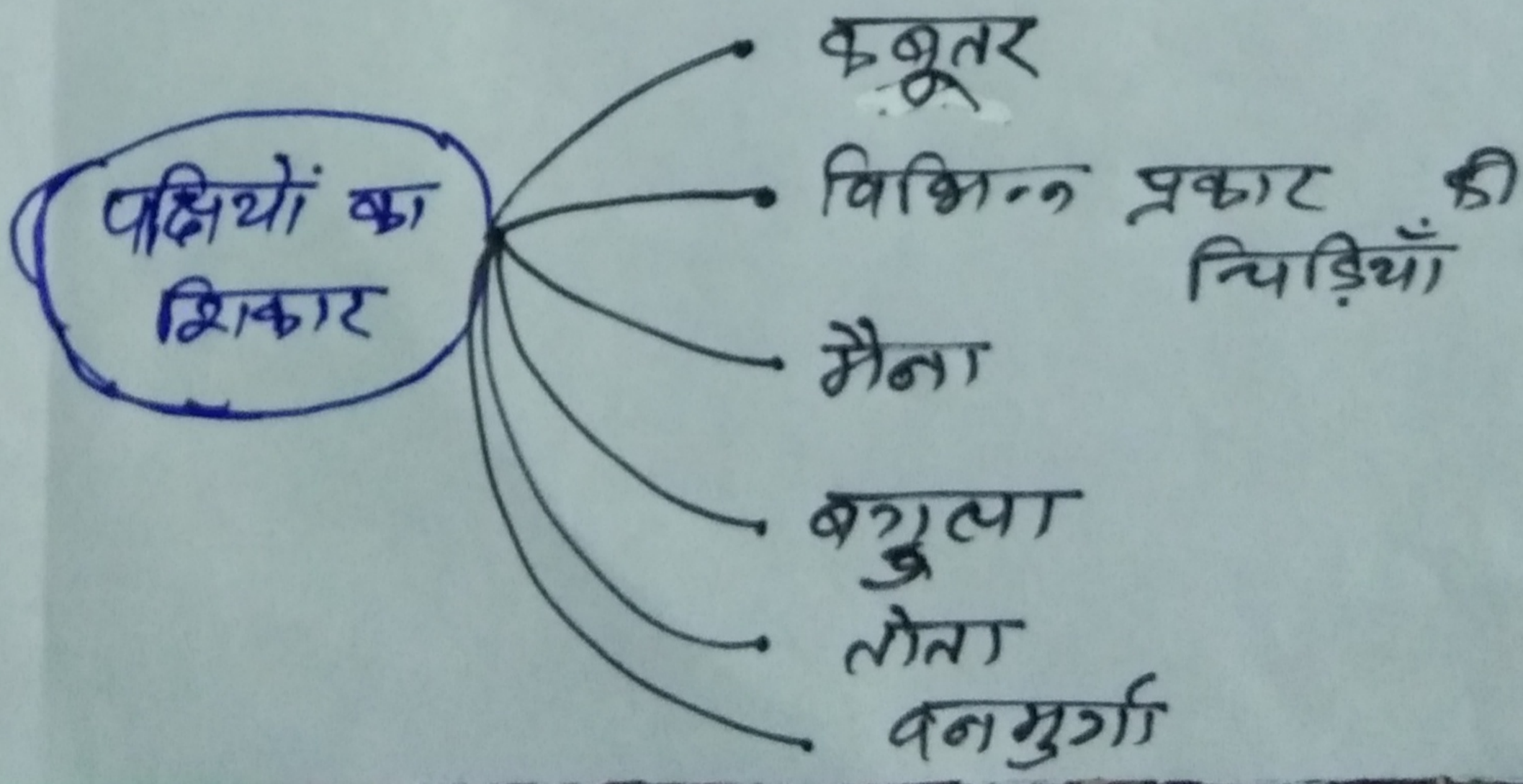

फल व
वन-वस्तु
संग्रह करना
जामुन
केला
आम
नारियल
खजूर
जंगली शहद
महुआ
कंद-मूल
गूलर
बेर
फल-फूल

पशुओं
का
शिकार
बंदर
हिरण
सर्प
ऊदबिलाव
बिल्ली
घड़ा
लोमड़ी
भेड़िया
लंगूर

आखेट द्वारा जो भी जन्तु प्राप्त होते है उसका प्रयोग वे निम्न रूपों में करते है :-

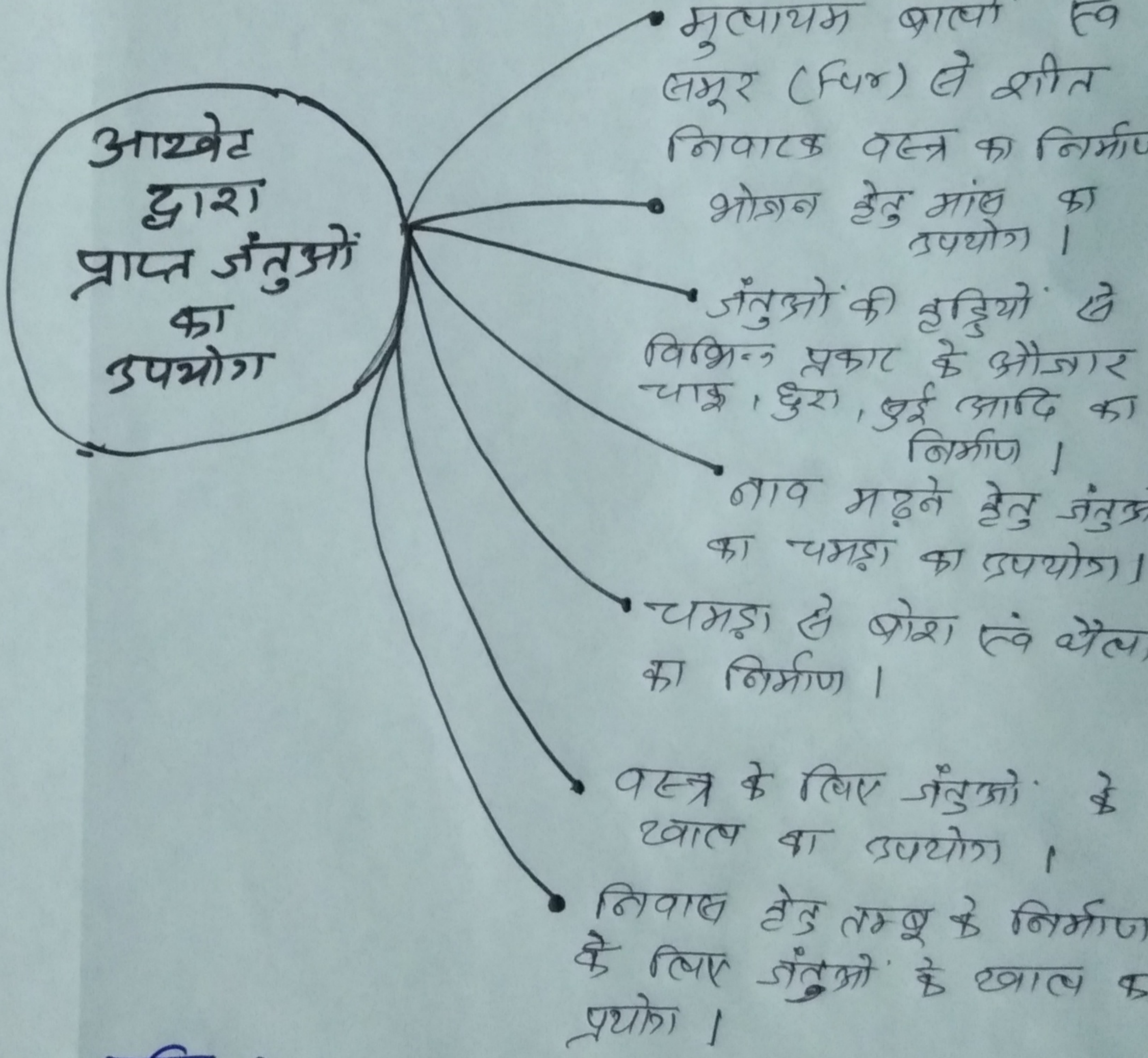

कृषि :- कृषि इस प्रदेश में कुछ क्षेत्रों पर आदिम ढंग से जीवन निर्वाहक कृषि की जाती है। कृषक परिवार उतनी ही भूमि पर कृषि कार्य करता है, जितना उसके परिवार के लिए

आवश्यक भोजन जुटाने में लगाता है।

(*) भूमध्यरेखीय क्षेत्र का वातावरण यहाँ के पिछड़े आर्थिक विकास के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है। यहाँ रहने वाली जातियाँ इस प्रकार है।

(1) अमेजन बेसिन :- जितारो, यागुवा

(2) मध्य अफ्रीका :- नाटे कद के पिग्मी

(3) मलाया :- सेमांग, सकाई आदि

(4) बोर्नियो :- पुनान

(5) न्युगिनी :- पापुआन

ये सभी जातियाँ विश्व में आर्थिक विकास की दृष्टि से काफी पिछड़े है। अतः इनके क्रियाकलाप भी मुख्यतः Primary activities है।

कृषि कार्य : बागाती कृषि

- नारियल
- जंगली आम
- साबुदाना
- कहवा
- महुआ
- सुपारी
- गन्ना
- केला
- शकरकंद, जंगली आम

खनिजोत्पादन मानवीय क्रिया-कलाप :-

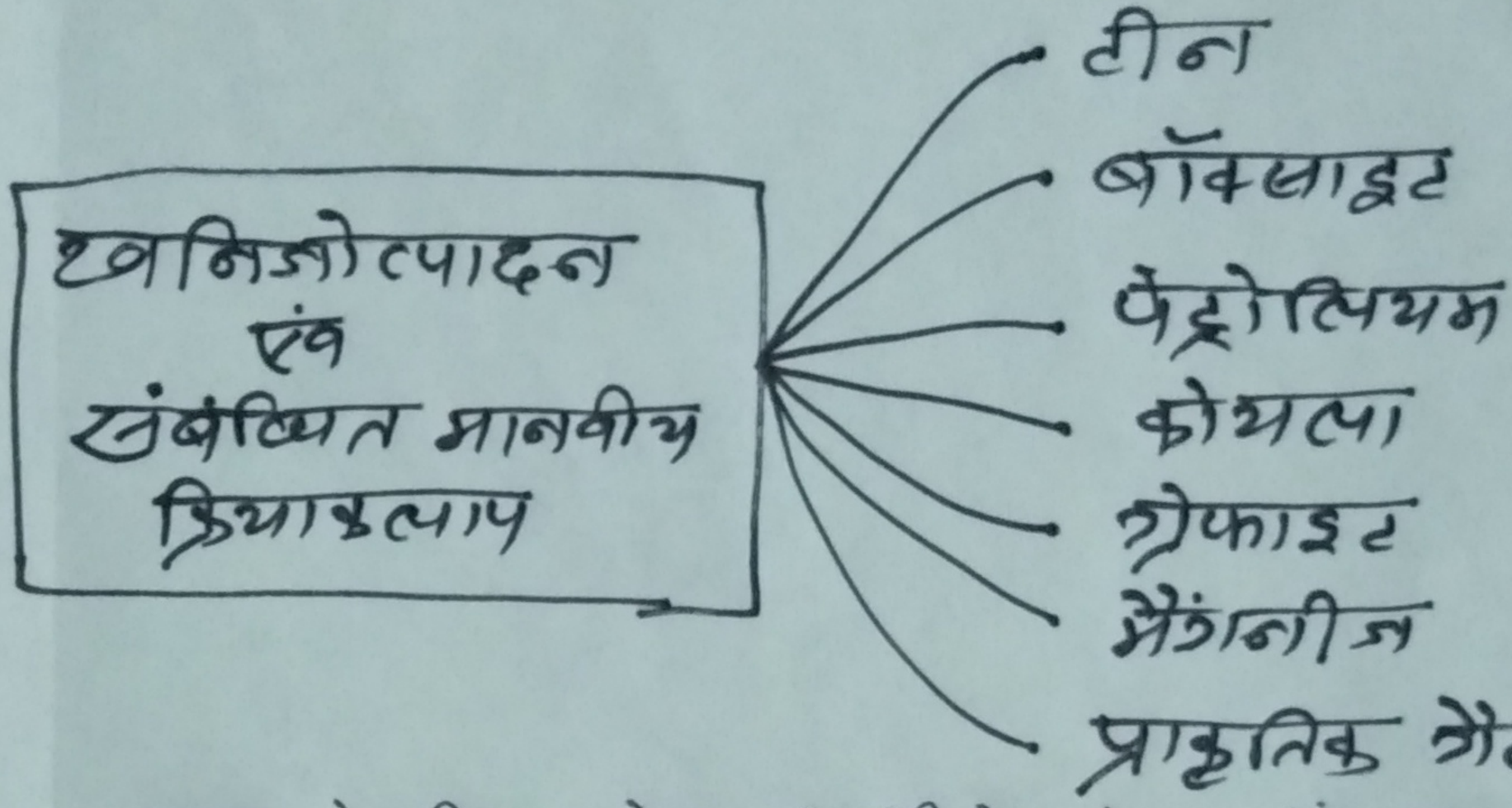

भूमध्य रेखीय प्रदेश के वैसे क्षेत्र जहाँ बाहरी लोगों के आगमन के फलस्वरूप खनिज उत्पादन कार्य संभव हो सका है, वहाँ कुछ आर्थिक प्रगति हुई है। मलेशिया विश्व का महत्वपूर्ण टीन उत्पादक देश है जहाँ से विश्व का लगभग 33% (1/3) टीन का उत्पादन होता है। जावा, सुमात्रा, बोर्नियो में कोयला पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस का भंडार संचित है और खनन कार्य कर उत्पादन भी किया जा रहा है।